



Robin



Simran

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121347401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
31-01/01/1993 :	जन्म तिथि	: 23/10/1997
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 06:10:00 :	जन्म समय	: 17:10:00 घंटे
घटी 56:54:56 :	जन्म समय(घटी)	: 26:31:01 घटी
India :	देश	: India
Una :	स्थान	: Una
31:28:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:24:01 :	सूर्योदय	: 06:33:35
17:32:32 :	सूर्यास्त	: 17:44:18
23:45:51 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:30
वृश्चिक :	लग्न	: मीन
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
मीन :	राशि	: कर्क
गुरु :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
उ०भाद्रपद :	नक्षत्र	: पुष्य
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
4 :	चरण	: 2
परिघ :	योग	: साध्य
विष्टि :	करण	: कौलव
अ-- :	जन्म नामाक्षर	: हे-हेमा
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
गौ :	योनि	: मेष
मनुष्य :	गण	: देव
मध्य :	नाडी	: मध्य
सिंह :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शनि 1वर्ष 8मा 5दि
शुक्र

07/09/2018

07/09/2038

शुक्र	06/01/2022
सूर्य	07/01/2023
चन्द्र	06/09/2024
मंगल	06/11/2025
राहु	06/11/2028
गुरु	08/07/2031
शनि	07/09/2034
बुध	08/07/2037
केतु	07/09/2038

अंश

28:40:58
16:51:02
15:29:13
26:38:37
03:49:24
19:43:23
02:56:52
22:35:23
27:33:15
27:33:15
23:54:25
24:35:34
00:50:34

राशि

वृश्चि
धनु
मीन
मिथु व
धनु
कन्या
कुंभ
मक
वृश्चि व
वृष व
धनु
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मीन
तुला
कर्क
वृश्चि
तुला
मक
वृश्चि
मीन
सिंह
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

अंश

25:36:00
06:16:31
09:30:21
23:44:47
12:38:45
18:39:09
22:45:24
22:02:56
25:08:50
25:08:50
10:56:46
03:24:47
10:19:20

विंशोत्तरी

शनि 10वर्ष 2मा 13दि
केतु

06/01/2025

06/01/2032

केतु	04/06/2025
शुक्र	04/08/2026
सूर्य	10/12/2026
चन्द्र	11/07/2027
मंगल	07/12/2027
राहु	24/12/2028
गुरु	30/11/2029
शनि	09/01/2031
बुध	06/01/2032

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

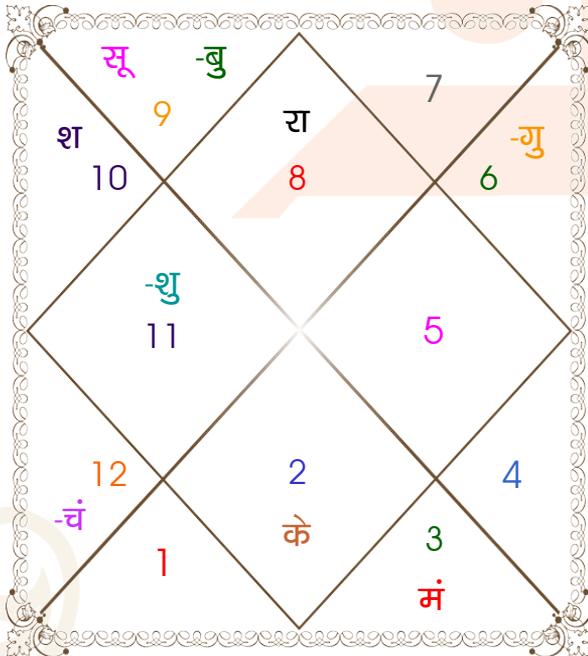
राहु : स्पष्ट

23:45:51

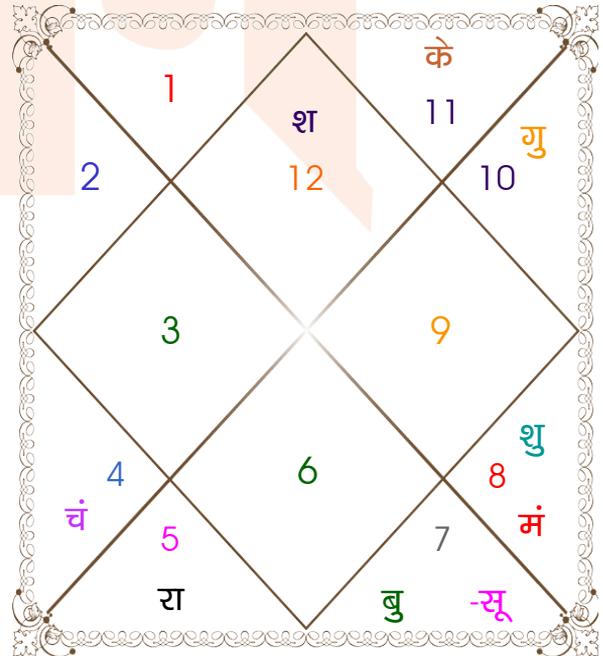
चित्रपक्षीय अयनांश

23:49:30

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

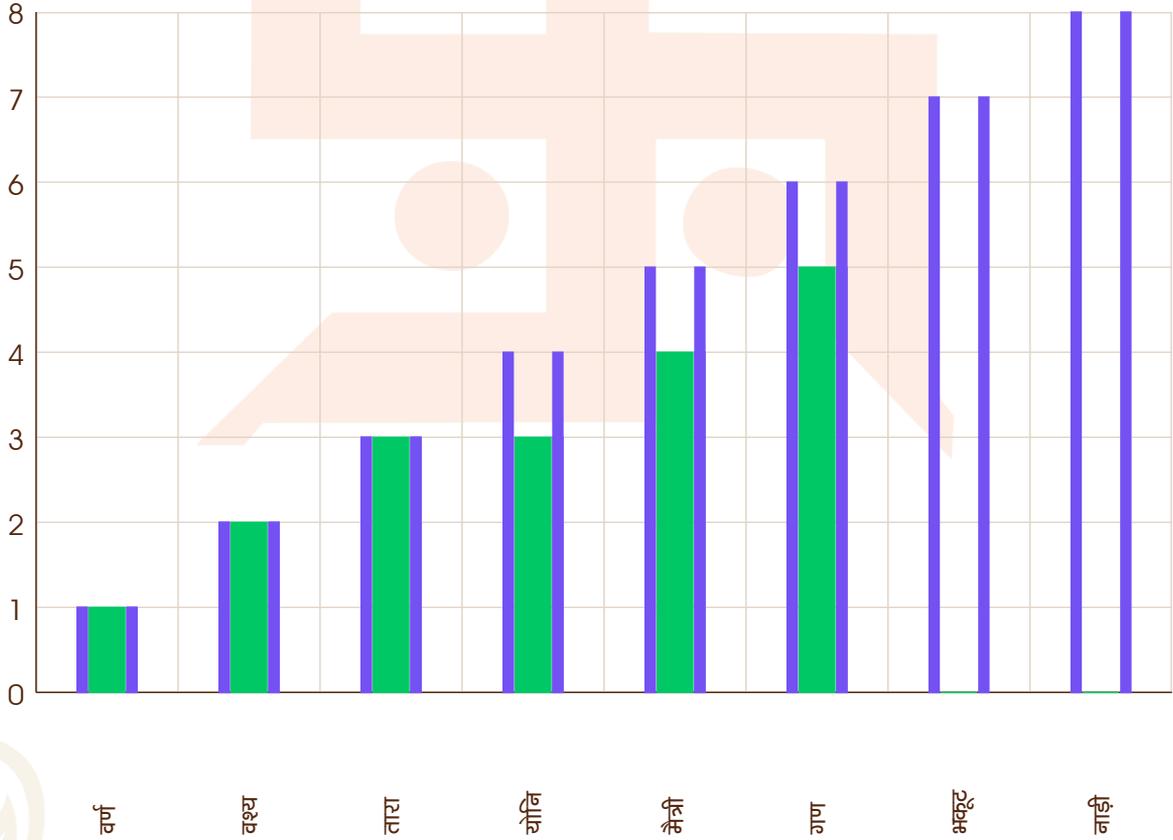
9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : 18 / 36



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।
नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि पउतंद का नक्षत्र पुष्य है।
त्वइपद का वर्ग सिंह है तथा पउतंद का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार त्वइपद और पउतंद का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

त्वइपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।
पउतंद मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु पउतंद की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्वइपद तथा पउतंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्वङ्पद का वर्ण ब्राह्मण तथा पउतंद का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदर, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

त्वङ्पद का वश्य जलचर है एवं पउतंद का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

त्वङ्पद की तारा जन्म तथा पउतंद की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

त्वङ्पद की योनि गौ है तथा पउतंद की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

Acharya Surender Kumar Joshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्वइपद का राशि स्वामी पउतंद के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि पउतंद का राशि स्वामी त्वइपद के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

त्वइपद का गण मनुष्य तथा पउतंद का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में पउतंद सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर त्वइपद व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण त्वइपद अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

त्वइपद से पउतंद की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा पउतंद से त्वइपद की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण पउतंद को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

त्वइपद की नाड़ी मध्य है तथा पउतंद की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में त्वइपद एवं पउतंद का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से

ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

त्वइपद की राशि जलतत्व युक्त मीन तथा ँपउतंद की राशि भी जलतत्व युक्त कर्क है। अतः दोनों तत्वों में समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध मधुर होंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

त्वइपद की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा ँपउतंद की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम आकर्षण तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण रूप से सहायता तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। त्वइपद और ँपउतंद एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः इससे इनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा तथा समय भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

त्वइपद और ँपउतंद की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में तनाव मतभेद तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर अंहकार एवं श्रेष्ठता की भावना से वैवाहिक जीवन में कटुता की भावना उत्पन्न होगी। अतः यदि त्वइपद और ँपउतंद सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से कार्य लें तथा उपरोक्त प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तो इनका जीवन सुखमय हो सकता है।

त्वइपद और ँपउतंद दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में सफल होंगे जिससे जीवन सुखमय रहेगा।

त्वइपद एवं ँपउतंद का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताएं समान होंगी तथा धार्मिक शैक्षणिक तथा अन्य सत्कार्यों को करने में प्रवृत्त होंगे। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा तथा दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

त्वइपद और ँपउतंद का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से त्वइपद और ँपउतंद सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

त्वइपद को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

त्वइपद औरैपउतंद दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे त्वइपद औरैपउतंद दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभावैपउतंद के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबंधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति के दृष्टि से त्वइपद एवंैपउतंद का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपिैपउतंद का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रतिैपउतंद के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतःैपउतंद को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससेैपउतंद सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। त्वइपद औरैपउतंद बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्वइपद औरैपउतंद का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ैपउतंद के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांतैपउतंद के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Acharya Surender KumarJoshi

VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH

9418407130

surenderjoshi70@gmail.com

पतुतंद अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार पतुतंद के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

त्वइपद के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को त्वइपद अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी त्वइपद के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण त्वइपद के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।